LOK SABHA

Thursday, March 28, 1968/Chaitra 8, 1890 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

(MR. SPEAKER *in the Chair*).

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

गौ-रक्षा समिति

+

898. श्री स्वामी ब्रह्मानन्द जी :
श्री रामावतार शास्त्री :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गौ-रक्षा समिति का प्रतिवेदन कब तक मिल जाने की सम्भावना है ;

(ख) क्या यह सच है कि गौ-रक्षा समिति का कार्यकाल बढ़ाने का सरकार का विचार है ; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिंदे): (क) सरकार को गऊ रक्षा समिति की रिपोर्ट जून 1968 के अन्त तक मिलने की आशा है ।

(ख) इस समिति का कार्यकाल 29 जून, 1968 तक बढ़ा दिया गया है ।

(ग) इस समिति ने समय की बढ़ोत्तरी के लिए प्रार्थना की थी, क्योंकि वह समस्त प्रयत्नों के बावजूद भी अपनी रिपोर्ट पूरी नहीं कर सकी ।

श्री स्वामी ब्रह्मानन्द : अध्यक्ष महोदय, इस कमेटी को छः महीने का समय दिया गया था और उस के बाद 8 महीने हो गए । उस में गवर्नमेंट की तरफ से जो गवाह आये हैं मुझे ऐसा मालूम हुआ है कि उन्होंने यह कहा है कि वेदों में यह लिखा हुआ है और उस समय से यहां पर गऊ हत्या होती आयी है । अगर इस तरह की गवाहियां गुजरती हैं तो ऐसा मालूम होता है कि गवर्नमेंट का पहले से ही मंशा है कि गऊ-वंश की हत्या बन्द न हो । तो अगर यह नाटक है और ऐसे ही गवाह गुजरते हैं तो फिर कमेटी का कोई मतलब ही नहीं है । इस देश में मुसलमानी जमाने में भी गऊ हत्या नहीं हुई । लोकमान्य तिलक और महात्मा गांधी ने भी कहा था कि स्वराज्य होने के बाद एक कलम की नोक से गऊ हत्या बन्द हो जायगी । तो इस तरह का नाटक करने से तो कोई फायदा नहीं है । मैं यहां केवल गऊ वंश की हत्या बन्द करने के लिए आया हूं और मेरा कोई दूसरा उद्देश्य नहीं है । लेकिन अगर यह नाटक हो ही रहा है तो मुझे बता दिया जाय, मैं इस के लिये जो कुछ कर सकता हूं वह करूं । वैसे तो कर क्या सकता हूं । मैं तो सन्यासी हूं और गांधीवादी हूं । मैं तो अनशन करूंगा और अनशन कर के मरूंगा । तो मुझे इस में ठीक उत्तर दिया दिया जाय ।

SHRI ANNASAHIB SHINDE: with due respect to the Swamiji.

श्री स्वामी ब्रह्मानन्द : शिन्दे साहब, हिन्दी में बोलिए ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आप तो हिन्दी बोल सकते हैं । हिन्दी में बोलिये ।

श्री अन्ना साहिब शिन्दे : बडी दिक्कत हो जायगी और उस में बहुत गलतियां होंगी ।

MR. SPEAKER: You can speak in English.

SHRI ANNASAHIB SHINDE: With due respect to the Swamiji, I submit that the representatives of the *Sarvadaliya Go Rakshak Mahabhiyan Committee* are represented on the committee and Justice Sarkar, an eminent jurist, is the Charman. Government wanted the report to be submitted within six months, but the committee took sometime to finalise the list of witnesses. The witnesses then wanted some time to submit their memorandum. The committee, therefore, requested for extension of time. The committee has so far held 8 or 9 meetings and they are very seriously considering the matter. I do not think we should in any way doubt the *bona fides* of the committee as such.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : नीयत की नहीं, गवर्नमेंट की बोनाफाइडी डाउट में है ।

श्री स्वामी ब्रह्मानन्द : मुझे फिर यह पूछना है कि गवर्नमेंट का इसमें क्या मंशा है और क्या सरकार चाहती है ।

SHRI ANNASAHIB SHINDE: Government desires that the committee should submit its report at least within the time which has been extended. Government would give highest consideration to the recommendations of the committee.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, स्वामी जी का सवाल दूसरा है। स्वामी जी ने पूछा कि क्या यह सच है कि सरकार की तरफ से जो विशेषज्ञ जा रहे हैं वह सब ऐसी गवाहियां दे रहे हैं कि जिस से पता लगता है कि सरकार गऊ हत्या बन्द नहीं करना चाहती । इस में कहां तक सचाई है ?

SHRI ANNASAHIB SHINDE: We cannot restrict anybody from expressing his opinions freely. In fact, the very terms of reference say that all the aspects of cow protection have to be examined. When experts come, can Government give directions to them to speak in a particular way? We are not sending any representative on behalf of the Government. They are doing it in their own individual capacity.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि इस समिति की नियुक्ति के समय इस समिति का लक्ष्य सरकार ने यह निर्धारित किया है कि गऊ वंश की रक्षा कैसे की जाय इस प्रकार के उपाय सुझाये या गऊ रक्षा हो या न हो इसका निर्णय करे? इन दोनों में से कौन सा उद्देश्य सरकार का है ?

SHRI ANNASAHIB SHINDE: The terms of reference are very clear, *viz.*'

"The committee will go into the question of cow protection in the light of all proposals of the *Sarvadaliya Go Rakshak Mahabhiyan Samiti* and others on the subject, including one for a total ban on the slaughter of the cow and its progeny, and having considered

the matter in all its aspects—constitutional, legal, economic and other relevant aspects—recommend to Government...." etc.

श्री रघबीर सिंह शास्त्री : मंत्री महोदय से मैं यह पूछना चाहता हूं कि उत्तर-प्रदेश के भूतपूर्व मुख्य मंत्री चौधरी चरण सिंह इस कमेटी के सदस्य नियुक्त हुए थे, वह मुख्य मंत्री अब नहीं रहे हैं तो क्या फिर भी वह इस के सदस्य रहेंगे ?

SHRI ANNASAHIB SHINDE: In fact, even when he was Chief Minister he expressed his deisre that he should be represented not by himself but through somebody else. He actually nominated Shri Vikal on his behalf and we said, we have no objection. Now the situation has changed, because there is no Government in UP. The original basis was that two States where there is a complete ban on cow slaughter should be represented on this committee and two States where there is no ban also should be represented on this committee. Government will be prepared to accept either any suggestion of the committee in this regard or to accept anybody from that State. We have no objection.

SHRI A. B. VAJPAYEE: Let Mr. Vikal continue.

SHRI ANNASAHIB SHINDE: We have no objection if the State Government agrees.

श्री रघबीर सिंह शास्त्री : अब उत्तर प्रदेश की तरफ से वह सदस्य हैं या नहीं ?

अध्यक्ष महोदय : विकल हैं, यह उन्होंने कहा ।

SHRI ANNASAHIB SHINDE: I did not say that. Because former UP Government has ceased to exist, now naturally there is nobody attending the meeting.

श्री रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, गऊ रक्षा हिन्दुस्तान के सौ फीसदी आदमियों के जजबात, ख्यालात और मजहब का मसला है । उन के जजबात, उन के मजहब, उन के जो आपस में ख्यालात हैं उन को नजर में रखते हुए क्या सरकार के सामने कोई प्लान है या कोई स्कीम है जिस के तहत गऊ रक्षा और गऊ पालन ज्यादा से ज्यादा देश के अन्दर हो सके ताकि आम लोगों को गऊ का दूध जो कि एक दवाई के काम आता है और गऊ का घी ज्यादा से ज्यादा मिल सके जिस से इस देश के लोगों की उमर भी बढ़ सके और उन की सेहत भी दुरुस्त हो, ऐसी कोई स्कीम गवर्नमेंट के पास है ?

SHRI ANNASAHIB SHINDE: I do not think this arises out of this question.

MR. SPEAKER: Next question.

AN HON. MEMBER: Only 5 minutes for the cow?

MR. SPEAKER: You want protection for the cow, not time.

Rehabilitation of Repatriates from Ceylon and Burma

\+

*899. SHRI NANJA GOWDER:
SHRI R. BARUA:

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact the Madras Government have submitted a scheme costing Rs. 3.75 crores and spread over a period of 15 years for the rehabilitation of the repatriates from Ceylon and Burma;

(b) whether it is also a fact that 1,500 hectares of land in Nilgiri, to be brought under tea plantation, has been allotted for the purpose;